गोरखपुर से प्रकाशित

Title Code: UPBIL05289

स्वदेशी इनक्रेडिबल

द्विभाषी (साप्ताहिक)

वर्ष–1 अंक–27 गोरखपुर, रविवार 24 दिसम्बर 2023 पृष्ठ–8 मूल्य–2 रूपया

समुद्र को चीरने के लिए भारत ने उतारा खतरनाक मिसाइल विध्वंसक, कांपने लगा चीन–पाकिस्तान

नयी दिल्ली (एजेन्सी)। समुद्री डाकुओं द्वारा माल्टा ध्वज वाले मालवाहक जहाज के अपहरण के बाद, भारतीय नौसेना ने अपने समुद्री डकैती रोधी मिशन को बढ़ाने के लिए अदन की खाड़ी में दूसरा पोत तैनात किया है। अधिकारियों ने कहा कि नौसेना के पास अब इस क्षेत्र में निर्देशित मिसाइल विध्वंसक पोत 'आईएनएस कोच्चिश और 'आईएनएस कोलकाता हैं।श चौदह दिसंबर को माल्टा–ध्वज वाले अपहृत जहाज एमवी रुएन से मदद की गुहार मिलने के बाद नौसेना ने तुरंत प्रतिक्रिया दी थी। इसके कुछ दिनों बाद, समुद्री डाकुओं द्वारा घायल किए गए चालक दल के सदस्य को चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए सोमालिया के अपतटीय क्षेत्र में उसे पोत से निकाला था। जहाज पर चालक दल के 18 सदस्य थे।नौसेना के एक प्रवक्ता ने बताया, "इस घटना की जांच के लिए त्वरित प्रतिक्रिया के वास्ते तैनात भारतीय नौसेना का समुद्री गश्ती पोत 15 दिसंबर को एमवी रुएन जहाज की तलाश में पहुंचा और चालक दल के साथ संपर्क स्थापित किया।" उन्होंने कहा, "इस दौरान 18 सदस्यीय चालक दल (एमवी जहाज पर कोई भी भारतीय सवार नहीं था) में सभी को उस इलाके में सुरक्षित बताया गया। साथ ही, इस घटना पर कार्रवाई

करते हुए अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती रोधी गश्त के लिए तैनात आईएनएस कोच्चि को भी सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से तुरंत रवाना कर दिया गया।" उन्होंने बताया, " आईएनएस कोच्चि ने 16 दिसंबर को तड़के एमवी रुएन को रोकने का प्रयास किया और स्थिति का आकलन करने के लिए अपना एक महत्वपूर्ण हेलीक प्टर भेज दिया।"प्रवक्ता ने बताया, "चालक दल से यह सूचना मिली थी कि एमवी रूएन जहाज पर आंतरिक ढांचे की व्यवस्था को नुकसान पहुंचाया गया था और समुद्री लुटेरों ने चालक दल के सभी सदस्यों को बंधक बना लिया था। वारदात के समय चालक दल के एक सदस्य को चोट आई थीं, लेकिन उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।" उन्होंने कहा, "हालांकि अपहृत किये गए एमवी जहाज पर चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कोई सशस्त्र हस्तक्षेप नहीं किया गया था और समुद्री लुटेरों द्वारा चालक दल के साथ उचित व्यवहार सुनिश्चित कराने की दिशा में प्रयास करते हुए युद्धपोत द्वारा अपेक्षित कार्रवाई की गई। प्रवक्ता ने बताया, "16 से 17 दिसंबर तक सोमालिया की ओर अपने पारगमन के दौरान भारतीय नौसेना के जहाज को अपहृत जहाज के करीब रखा गया। इस दौरान, समुद्री लुटेरों के साथ उचित रूप से कार्रवाई करते हुए और अन्य युद्धपोतों के साथ गतिविधियों का समन्वय किया गया।" उन्होंने कहा, "भारतीय नौसेना ने उपरोक्त घटना को ध्यान में रखते हुए और अदन की खाड़ी क्षेत्र में समुद्री डकैती को रोकने के प्रयासों को बढ़ाने की दिशा में इस इलाके में एक और स्वदेशी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक पोत तैनात किया है।" उन्होंने कहा, " भारतीय नौसेना इस क्षेत्र में श्सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वालेश के रूप में, व्यापारिक जहाज नौवहन की सुरक्षा सुनिश्चित करने और समुद्र में नाविकों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए वचनबद्ध है।"

चुनाव जीतने के लिए कांग्रेस व उसके सहयोगी दल करते हैं झूठे वादे : भाजपा

नयी दिल्ली (एजेन्सी)। भाजपा ने कांग्रेस और उसकी सहयोगी दलों पर चुनाव जीतने के लिए बड़े–बड़े झूठे वादे करने का आरोप लगाते

हुए कहा है कि चुनाव के बाद जनता को सिर्फ बदहाली मिलती है। भाजपा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर 3 मिनट 52 सेकंड का वीडियो शेयर करते हुए पोस्ट कर कहा, घमंडिया अलायंस के काले कारनामे के एपिसोड–4 में देखिए,कैसे कांग्रेस व उसकी सहयोगी पार्टियां, चुनाव जीतने के लिए बड़े–बड़े झूठे वादे करती हैं और चुनाव के बाद जनता को सिर्फ बदहाली मिलती है। वीडियो में भाजपा ने विपक्षी गठबंधन पर फर्जी गारंटी की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि कांग्रेस और उसके सहयोगी अन्य पार्टियां चुनाव जीतने के लिए जनता से बड़े–बड़े और फर्जी वादे करती है और बाद में जनता को बदहाली मिलती है। वीडियो में यह आरोप लगाया गया है कि फर्जी और झूठे वादे करने के मामले में देश की नंबर वन पार्टी कांग्रेस है।

भाजपा ने कांग्रेस की वर्तमान कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश की सरकारों के साथ–साथ राजस्थान और छत्तीसगढ़ की पिछली सरकारों का भी उदाहरण देते हुए अपने वीडियो में यह बताया है कि किस तरह से इन राज्यों में चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने जाकर बड़े–बड़े वादे किए थे, गारंटी दी थी और इन प्रदेशों की जनता कांग्रेस के झूठे वादों की कीमत चुका रही है। फर्जी वादे करके सत्ता पाना और फिर राज्य को बर्बाद करने की यह सिर्फ अकेले कांग्रेस की ही कहानी नहीं है, बल्कि यही हाल घमंडियां गठबंधन में शामिल आम आदमी पार्टी का भी है। कट्टर ईमानदारी का ढोल पीट कर सत्ता में आने वाले केजरीवाल के बड़े–बड़े मंत्री आज भ्रष्टाचार के मामलों में जेल की हवा खा रहे हैं और दिल्ली आज दुनिया का सबसे प्रदूषित हवा वाला शहर बन चुका है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि घमंडियां गठबंधन की फ्री की राजनीति के चलते आज कई राज्यों पर कर्ज का बोझ चिंताजनक स्तर पर पहुंच गया है और रिजर्व बैंक कई बार इन राज्यों को चेतावनी जारी कर चुका है।

प्राइमरी स्कूलों में 31 दिसम्बर से 14 जनवरी तक रहेगी जाड़े की छुट्टी

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में 31 दिसम्बर से 14 जनवरी तक प्राइमरी स्कूलों में सर्दी की छुट्टी रहेगी। परिषदीय विद्यालयों में 31 दिसम्बर से जाड़े की छुट्टी हो जाएगी। स्कूल शिक्षा महानिदेशालय से स्कूलों को भेजी गई सूचना के मुताबिक परिषदीय स्कूलों में 30 दिसंबर को पढ़ा कर 31 दिसंबर से अगले वर्ष 14 जनवरी तक सर्दियों की छुट्टियां रहेंगी। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से भी आदेश जारी किए गए हैं, जिसमें कहा गया है कि शीतकाल में मौसम में परिवर्तन के ष्टिगत सक्षम प्राधिकारी द्वारा विद्यालय संचालन के समय में परिवर्तन किया जा सकेगा। कुछ जिलों में निजी स्कूलों में गुरुवार से ही छुट्टियां शुरू हो गईं। बनारस में सेंट मेरीज समेत स्कूलों ने छुट्टी कर दी है। अब यहां तीन जनवरी को स्कूल खुलेंगे। आगरा के आईसीएसई स्कूलों में छुट्टियां शुरू हो चुकी हैं। सीबीएसई स्कूलों में दिसंबर के अंतिम दिनों से लेकर आठ से 10 जनवरी तक छुट्टी होगी। सेंट प ल्स चर्च क लेज यूनिट प्रथम में पिछले 16 दिसंबर से 8 जनवरी तक अवकाश है। सेंट प ल्स चर्च क लेज द्वितीय शाखा की प्रधानाचार्य संचिदा दानी ने बताया कि 19 से 8 तक अवकाश रहेगा। पैट्रिक्स, क नरेड और पीटर्स में 22 से अवकाश शुरू हो जाएंगे। सेंटर पीटर्स के प्रधानाचार्य फादर भाष्कर राजसू ने बताया कि 23 दिसंबर से छुट्टियां होंगी।आगरा के डीआईओएस दिनेश कुमार ने कहा कि 25 दिसंबर को क्रिसमस डे मनाया जाता है और क्रिसमस डे पर स्कूल बंद रहेंगे। जिन जिलों में निजी स्कूलों को तीन जनवरी तक बंद किया गया है वहां मौसम अगर बिगड़ा तो स्कूलों की छुट्टी बढ़ भी सकती है।

कौशांबी दौरे पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, शीतला धाम में किया दर्शन-पूजन, आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को बांटे उपहार

कौशांबी उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने आज यानी शुक्रवार को कड़ा धाम में माता शीतला के दर्शन किए और दर्शन के बाद आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को उपहार बांटे। दरअसल, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल गुरुवार को अपने दो दिवसीय दौरे पर कौशाम्बी पहुंची। आज दूसरे दिन राज्यपाल भारी सुरक्षा के बीच शक्तिपीठ कड़ा धाम पहुंची। उन्होंने कड़ा धाम में माता मंदिर पहुंचकर माता शीतला का दर्शन किया और विधि विधान से पूजा की। इस दौरान कौशांबी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद विनोद सोनकर और भाजपा के जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य एवं अन्य नेता साथ में मौजूद रहे। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल शीतला धाम में दर्शन

एवं पूजन के पश्चात सिराथू तहसील के थुलगुला गांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पहुंची। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र का जायजा लिया और बच्चों से मिली। बच्चों से मिल कर राज्यपाल ने उन्हें उपहार दिए और उपहार लेने के बाद बच्चों के चेहरे खुशी के खिल उठे। इस दौरान राज्यपाल ने जनता से आवाहन किया कि वह स्वस्थ भारत के निर्माण में आगे आकर आंगनबाड़ी केंद्रों को समृद्ध बनाएं। इसके लिए उन्हें आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के सुविधाओं पर खर्च करना चाहिए। राज्यपाल ने खुद व राज्य विश्वविद्यालय के सहयोग से 120 से अधिक किट जनपद की आंगनबाड़ी केंद्र को दिए। इस मौके पर उन्होंने गुजरात प्रांत के पीएम म डल की खुलकर तारीफ की। राज्यपाल के दौरे के दौरान पुलिस और प्रशासन ने राज्यपाल की सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए थे। इसके अलावा राज्यपाल जिला जेल में बंद महिलाओं से मुलाकात करेंगी।

सम्पादकीय.....

जरूरत के बदलाव

निःसंदेह, ब्रिटिशकालीन आपराधिक कानूनों को समय की जरूरत के हिसाब से बदलना देश की आवश्यकता रही है। जिसके बाबत देश के आपराधिक कानून को बदलने वाले तीन महत्वपूर्ण विधेयक बुधवार को लोकसभा में पारित कर दिये गए। इनमें भारतीय न्याय संहिता विधेयक, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य विधेयक शामिल थे। हालांकि, विपक्षी नेता बड़ी संख्या में विपक्षी सांसदों के निलंबन के बीच इन महत्वपूर्ण विधेयकों को गंभीर चर्चा के बिना पारित करने को लेकर सवाल उठा रहे हैं। साथ ही विपक्षी नेता इन विधेयकों के कुछ प्रावधानों को अदालत में चुनौती देने की भी बात कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि ये बिल भारतीय दंड संहिता–1860, दंड प्रक्रिया संहिता–1898 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम–1872 की जगह लेंगे। सरकार का तर्क है कि ये विधेयक औपनिवेशिक काल के कानूनों का स्थान लेंगे और इन्हें वक्त की जरूरत के हिसाब से न्याय संगत बनाने की कोशिश की गई है। यह भी कि इनका मकसद दंड की जगह न्याय देने की कोशिश है। दरअसल, आजादी के बाद अपराध का पूरा तंत्र बदल चुका है। वहीं नई तकनीक से न्याय को अधिक विश्वसनीय बनाने का प्रयास भी किया जा रहा है। नये विधेयक में म ब लिंचिंग को घृणित अपराध मानते हुए इसके लिये फांसी का प्रावधान किया गया है। साथ ही नाबालिग से बलात्कार के दोषी के लिये भी फांसी की सजा का प्रावधान किया गया है। एक ओर ब्रिटिश शासन के दौरान से चले आ रहे राजद्रोह कानून को खत्म किया गया है लेकिन देश के खिलाफ काम करने वाले को देशद्रोह कानून के तहत दंडित किया जाएगा। गैंगरेप के मामले में बीस साल की सजा या आजीवन कारावास की सजा होगी। यौन हिंसा के मामले में बयान महिला न्यायिक मजिस्ट्रेट ही दर्ज करेगी। इसके अलावा झूठे वायदे कर या पहचान छिपाकर यौन संबंध बनाना अब अपराध की श्रेणी में आ जाएगा। साथ ही डिजिटल एविडेंस को कानूनी साक्ष्य के रूप में मान्यता मिलेगी। वहीं दूसरी ओर इंडिया गठबंधन के नेता इन विधेयकों के कानून बनने के बाद पुलिस राज बढ़ने की आशंका जता रहे हैं। वे किसी अभियुक्त को पुलिस हिरासत में रखने की अधिकतम सीमा 15 दिन से बढ़ाकर 90 दिन करने पर प्रश्नचिन्ह लगा रहे हैं। वहीं गृहमंत्री अमित शाह इस बदलाव को औपनिवेशिक काल के कानूनों से मुक्ति बता रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं कि कांग्रेस ने इस मुद्दे पर संवेदनशील ढंग से कभी नहीं सोचा। उल्लेखनीय है कि ये तीन बिल गत अगस्त में मानसून सत्र के अंतिम दिन लोकसभा में रखे गये थे। जिसके बाद इन बिलों को संसद की स्थायी समिति को भेज दिया गया। इस समिति की अध्यक्षता भाजपा सांसद बृजलाल कर रहे थे। विपक्षी नेता आरोप लगा रहे हैं कि लोकसभा में इन महत्वपूर्ण बिलों को बिना बहस के पारित कराया गया जबकि सदन में 97 सांसद निलंबित किये जा चुके थे। बहरहाल, राज्यसभा में बिल पारित होने के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने पर इन्हें कानून का दर्जा मिल जाएगा। वहीं गृहमंत्री का कहना है कि अब तक आतंकवाद की व्याख्या किसी भी कानून में नहीं की गई थी, पहली बार राजग सरकार आतंकवाद की व्याख्या करने जा रही है। वहीं सरकार का दावा है कि प्रस्तावित कानून व्यक्ति की स्वतंत्रता, मानवाधिकार और सबके साथ समान व्यवहार के आधार पर लाए गये हैं। वहीं दूसरी ओर विपक्षी इंडिया गठबंधन की बैठक में इस मामले में विमर्श किया गया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश का आरोप था कि इन विधेयकों को बिना चर्चा के पास करवाने के लिये ही विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया है। बहरहाल, यह तार्किक नहीं लगता कि देश की आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी ब्रिटिशकाल में भारतीयों को दंडित करने के लिये बनाये कानून अस्तित्व में रहें। लेकिन वहीं दूसरी ओर हमारी न्याय व्यवस्था से जुड़े इन विधेयकों पर गंभीर विचार–विमर्श की जरूरत भी थी। निस्संदेह, वक्त के साथ अपराध का चेहरा, अपराधियों की प्रवृत्ति और अपराधियों के तौर–तरीके भी बदले हैं। बहरहाल, न्याय व्यवस्था का वह सूत्र वाक्य भी ध्यान में रखना चाहिए कि भले ही समय लगे, लेकिन किसी निर्दोष को सजा नहीं मिलनी चाहिए।

असम के १,२८१ सरकारी मदरसों के नाम अब(मध्य अंग्रेजी स्कूल), क्या है विवाद?

असम प्रारंभिक शिक्षा निदेशक कार्यालय ने बुधवार को एक आदेश जारी कर इन सभी सरकार संचालित और सरकारी सहायता प्राप्त श्एमई मदरसोंश (मिडिल स्कूल मदरसा) को तत्काल प्रभाव से सामान्य स्कूलों में बदलने का निर्देश दिया था।

असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगु ने भी सोशल मीडिया प्लेटफ र्म एक्स पर एक पोस्ट कर बताया, "सभी सरकारी और प्रांतीय मदरसों को असम माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के तहत सामान्य स्कूलों में परिवर्तित करने के परिणामस्वरूप आज एक अधि ासूचना के जरिए 1,281 एमई मदरसों के नाम बदलकर एमई स्कूल कर दिए गए हैं।"

दरअसल असम में कई दशकों से चल रहे इन मदरसों को बंद करने को लेकर न केवल विवाद पैदा हो गया है बल्कि एक बड़ा तबका बीजेपी नेतृत्व वाली सरकार पर ध्रुवीकरण की राजनीति करने का आरोप भी लगा रहा है।

अ ल असम मदरसा स्टूडेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके वहिदुज्जमान के अनुसार, इन मदरसों को बंद करने का मतलब वहां पढ़ने वाले छात्रों के साथ नाइंसाफी करना है।

विवाद और राजनीति

वहिदुज्जमान कहते हैं, ष्मदरसों को लेकर एक गलत धारणा फैलाई गई है। जिन मदरसों को सरकार ने स्कूल में तब्दील किया है इसमें ध ार्मिक शिक्षा के साथ विज्ञान, गणित, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान जैसे सामान्य विषय भी पढ़ाए जा रहे थे।ष

उनका कहना है कि मदरसों में पढ़ाई करने वाले काफी छात्र ड क्टर, वकील से लेकर कई बड़े पेशे में गए हैं।

वो कहते हैं, ष्यह फैसला एक तरह की राजनीति के तहत लिया गया है। क्योंकि इससे पहले जब हिमंत बिस्वा सरमा कांग्रेस सरकार में शिक्षा मंत्री थे उस दौरान उन्होंने मदरसों के विकास के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए थे लेकिन बीजेपी में आने के बाद वे बिल्कुल बदल गए हैं।ष

दरअसल असम में बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार ने साल 2020 में ही राज्य–संचालित सभी मदरसों को बंद करने का निर्णय ले लिया था।

असम सरकार के कैबिनेट ने 13 नवंबर 2020 को एक बैठक कर ष्प्रांतीयष मदरसों को नियमित उच्च विद्यालयों में परिवर्तित करने तथा इन मदरसों में धार्मिक विषयों की शिक्षा को वापस लेने का फैसला किया था।

कैबिनेट के उस फैसले के दौरान मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा राज्य के शिक्षा मंत्री थे।

इसके बाद 2021 में दो मदरसा शिक्षा–संबंधित अधिनियमों को समाप्त करने के लिए एक कानून बनाकर सभी सरकारी और प्रांतीय मदरसों को बंद करने की प्रक्रिया शुरू की गई।

इस तरह 27 जनवरी 2021 को असम के राज्यपाल की सहमति के बाद असम मदरसा शिक्षा (प्रांतीयकरण) अधिनियम, 1995 और असम मदरसा शिक्षा (शिक्षकों की सेवाओं का प्रांतीयकरण और शैक्षणिक संस्थानों का पुनर्गठन) अधि ानियम, 2018 को निरस्त कर दिया गया।

मदरसों की कानूनी वैधता

असम में सरकारी मदरसों को बंद करने को लेकर राज्य के विधायी और कार्यकारी निर्णयों को चुनौती देते हुए गुवाहाटी हाई कोर्ट में एक रिट याचिका दायर की गई थी।

लेकिन हाई कोर्ट ने इस पर सुनवाई के बाद 4 फरवरी 2022 को रिट याचिका को यह कहते हुए खघरिज कर दिया कि असम सरकार द्वारा बनाया गया असम निरसन अधि ानियम, 2020 वैध है।

फिलहाल यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट में है।

गुवाहाटी हाई कोर्ट में रिट याचिकाकर्ताओं की तरफ से पैरवी करने वाले वकील एआर भुइयां कहते हैं, ष्जिन मदरसों को स्कूल में तब्दील किया गया है वो पूरी तरह से मदरसे नहीं थे। इन मदरसों में अरबी पाठ्यक्रम के साथ हाई स्कूल में पाए जाने वाले सभी विषयों की पढ़ाई होती है।ष

ष्परंतु सरकार का कहना है कि सरकारी पैसे से धार्मिक शिक्षा नहीं दी जा सकती। इसी वजह से इन मदरसों को सामान्य स्कूलों में तब्दील कर दिया गया।ष

वो कहते हैं, ष्लेकिन भारत के संविधान ने खासतौर पर अनुच्छेद 25, 29 और 30 के तहत जो अधि ाकार दिए हैं सरकार उसका हनन कर रही है। मदरसों में क्या पढ़ाया जाएगा उसको सरकार नियंत्रित नहीं कर सकती। सुप्रीम कोर्ट में यह मामला दाखिल हो गया है और अब हम सुनवाई का इंतजार कर रहे हैं।ष

असम सरकार ने सभी सरकारी मदरसों के साथ राज्य–संचालित संस्कृ त टोल्स यानी संस्कृत केंद्रों को भी बंद करने का निर्णय लिया था।

भुइयां बताते हैं, ष्राज्य सरकार ने सभी संस्कृत केंद्रों को कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत एवं प्राचीन अध्ययन विश्वविद्यालय में मिला दिया है। जबकि संस्कृत टोल्स के पाठ्यक्रम और सिलेबस में ज्यादा कुछ बदला नहीं गया है।ष

मदरसे के मुद्दे के पीछे की राजनीति

असम में दो तरह के मदरसे हैं। एक सरकारी मान्यता प्राप्त मदरसा जो पूरी तरह सरकारी अनुदान से चलते थे और दूसरा खेराजी जिसे निजी संगठन चलाते हैं।

असम के शिक्षा पाठ्यक्रम में मदरसा शिक्षा को 1934 में शामिल किया गया था और उसी वर्ष राज्य मदरसा बोर्ड का भी गठन किया गया था।

लेकिन 12 फरवरी 2021 में एक अधिसूचना जारी कर राज्य मदरसा बोर्ड को भंग कर दिया गया।

असम में मदरसों का सरकार ने 1995 में सरकारी करण किया था। इन सरकारी अनुदान वाले मदरसों को प्री–सीनियर, सीनियर और टाइटल मदरसे में बांट रखा था।

प्री–सीनियर मदरसे में छठी से आठवीं कक्षा तक शिक्षा प्रदान की जाती थी। सीनियर मदरसे में कक्षा आठवीं से बारहवीं तक और टाइटल मदरसे में स्नातक अ ार स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई करवाई जाती थी।

इ स क अलावा राज्य में चार अरबी क लेज भी थे जिसमें कक्षा छह से स्नातकोत्तर स्तर तक की पढ़ाई करवाई जा रही थी।

लेकिन असम सरकार द्वारा साल 2020 में निरस्तीकरण अधिनियम लाने से ये सभी मदरसे और अरबी क लेज प्रभावित हुए हैं। सरकार सालाना इन मदरसों पर लगभग तीन से चार करोड़ रुपए खर्च करती आ रही थी।

असम में इस समय सात बोर्ड के तहत कुल 2250 प्राइवेट मदरसे चल रहे हैं। अ ल असम तंजीम मदारिस कौमिया के अंतर्गत सबसे अधिक 1503 प्राइवेट मदरसे हैं।

अ ल असम तंजीम मदारिस के सचिव मौलाना अब्दुल कादिर कासमी ने बीबीसी से कहा, ष्मुख्यमंत्री अपनी बात का ही खंडन करते हैं जब वो कहते हैं कि प्राइवेट मदरसों में विज्ञान, गणित जैसे सामान्य विषय पढ़ाया जाए। जबकि जिन सरकारी मदरसों को वो बंद कर रहे हैं उनमें अरबी–उर्दू के अलावा सभी सामान्य विषय पढ़ाए जा रहे थे।ष

ष्मुख्यमंत्री जब यह कहते हैं कि सरकार मदरसों में मुल्ला–मौलवी नहीं बनाएगी तो बड़ी तकलीफ होती है। वे इस बात से वाकिफ हैं कि इस मुल्क के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अब्दुल कलाम आजाद थे जिन्होंने देश की तालीम के लिए नीतियां बनाई थी। सब जानते हैं कि मदरसों को मुद्दा बनाने के पीछे क्या राजनीति है?ष

मदरसों पर विवाद और नए नियम

मुख्यमंत्री सरमा 2020 से मदरसों को लेकर कई आयोजनों में आक्रमक बयान देते आ रहे हैं।

उन्होंने इस साल मार्च में कर्नाटक के बेलगावी में बीजेपी की विजय संकल्प यात्रा को संबोधित करते हुए कहा था, "मैंने 600 मदरसों को बंद कर दिया है। लेकिन मेरा इरादा सभी मदरसों को बंद करने का है। क्योंकि हमें मदरसों की जरूरत नहीं हैं। हमें ड क्टर, इंजीनियर बनाने के लिए स्कूल, क लेज और विश्वविद्यालय की जरूरत है।ष

इन मदरसों में होने वाली पढ़ाई को लेकर पहले कुछ विवाद भी सामने आए हैं। कट्टरपंथी हिंदू संगठनों का आरोप है कि दूरदराज के इलाकों में नियमित स्कूल नहीं है वहां के कुछ मदरसों में कट्टरपंथी इस्लाम की पढ़ाई कराई जाती है।

असम में पिछले साल चार मदरसों को राष्ट्र विरोधी और जिहादी गतिविधियों में कथित संलिप्तता के आरोप में ढहा दिया गया था।

इस साल फरवरी में असम पुलिस के महानिदेशक ने प्राइवेट मदरसे चलाने वाले लोगों के साथ बैठक कर कुछ नियम भी तय किये थे।

विदेश मंत्री जयशंकर की चीन और पाकिस्तान को लेकर दो टूक, यूएन सुरक्षा परिषद पर ऐसा क्यों कहा?

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत चीन के साथ रिश्ते बेहतर करना चाहता है लेकिन बीते श्तीन सालों में रिश्ते बिगड़े हैं और इसकी वजह भारत नहीं है।

उन्होंने भारत के पड़ोसी पाकिस्तान के बारे में भी कहा कि हर श्पड़ोसी, हर बात पर आपस सहमत हो, ये जरूरी नहींश है।

उन्होंने जी20 की अध्यक्षता को कूटनीतिक तौर पर भारत की जीत बताया और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को श्ओल्ड क्लबश जैसा बताते हुए कहा कि इसमें अब श्सुधार का वक्त आ गया है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ये सभी बातें बंगलुरू में रोटरी इंस्टीट्यूट के एक कार्यक्रम में कही।

बीते एक दशक में आए बदलाव पर भी उन्होंने बात की। साथ ही कई और मुद्दों पर भी अपनी राय रखी।

उन्होंने कहा कि बीते सालों में भारत का उभार हुआ है और उसे एक ताकतवर मुल्क और मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने बीते सालों की बड़ी घटनाओं, भारत की सफलताओं और देश के सामने आई चुनौतियों के बारे में भी बात की।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन के साथ रिश्तों पर बात की और कहा कि भारत चाहता है कि दोनों देशों के रिश्ते बेहतर हों।

उन्होंने कहा कि भारत और चीन दो पुरानी सभ्यताएं हैं जो अंतरराष्ट्रीय राजनीति के मामले में दुनिया के मंच पर फिर से आ रही हैं।

उन्होंने कहा, ष्हम चाहेंगे कि आज की तुलना में चीन के साथ हमारे रिश्ते बेहतर हों, लेकिन अगर बीते तीन सालों में बात बिगड़ी है तो वो हमारी वजह से नहीं हुआ है। इसकी वजह चीन है जिसने सीमा को लेकर हुए समझौतों का पालन न करने का फैसला किया।

2020 में दोनों देशों के बीच शुरू हुआ सीमा विवाद आज भी पूरी तरह नहीं सुलझा है। सीमा के दोनों ओर हजारों की संख्या में सैनिक तैनात हैं।

दोनों पक्षों ने अब तक सैन्य स्तर की 20 दौर की वार्ताएं की हैं और कुछ इलाकों में पीछे भी हटे हैं।

चीन ने 28 अगस्त को एक नया नक्शा जारी किया था और इसे श्स्टैंडर्ड मैपश बताया था।

इस नकष्शे में चीन एक बार फिर अरुणाचल प्रदेश और अक्साई चिन को चीनी सीमा में दिखाया गया था। भारत ने इस नकष्शे के मामले में चीन के सामने राजनयिक स्तर पर विरोध दर्ज कराया था।

तब विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा था, ष्बेतुके दावे करने से दूसरे का क्षेत्र आपका नहीं हो जाता है।ष

वहीं चीन ने कहा था, ष्संबंधित पक्ष इस मुद्दे की जरूरत से ज्यादा व्याख्या करने से बचे।ष

भारत में चीन के साथ सीमा पर बनी तनातनी राजनीतक मुद्दा भी बनती रही है। कांग्रेस समेत दूसरे विपक्षी दल केंद्र सरकार से तीखे सवाल पूछते रहे हैं।

चीन के साथ रिश्तों पर बात करते हुए विदेश मंत्री जयशकंर ने कहा कि भारत रिश्ते बेहतर करने के लिए लगातार काम करता रहेगा।

रोटरी क्लब के कार्यक्रम में उन्होंने कहा,ष्लेकिन फिर मैं ये कहना चाहता हूं कि मुश्किलें जितनी भी हों, पड़ोसी कितने भी चुनौतीपूर्ण क्यों न हों हम कोशिश करते रहेंगे, यही तो कूटनीति है। हम रिश्तों पर काम करते रहेंगे।

संजय सिंह - कौन हैं बृजभूषण के करीबी कहे जाने वाले कुश्ती महासंघ के नए अध्यक्ष

भारतीय कुश्ती महासंघ के सर्वोच्च पद के चुनाव में बृजभूषण शरण सिंह के बेहद कष्रीबी और वफादार माने जाने वाले संजय सिंह ने चुनाव जीत लिया है।

संजय सिंह के बारे में जानने से पहले बृजभूषण शरण सिंह के कुश्ती महासंघ के चुनाव से जुड़े इस बयान गौर करिए।

बृजभूषण शरण सिंह ने संजय सिंह के बारे में कहा था, ष्वाराणसी से हैं, मोदी जी के क्षेत्र से हैं। उनको हमने अध्यक्ष पद का प्रत्याशी बनाया है।ष

संघ की चुनाव प्रक्रिया के बारे में बृजभूषण ने कहा था, ष्कुश्ती संघ के चुनाव में, पूरे देश में मौजूदा समय में 25 इकाइयां हैं। 25 राज्य हैं और हर इकाई के दो वोट होते हैं। और 20 राज्य हमारे साथ हैं। अगर कहें तो एक तरफा। उधर (विपक्ष में) केवल तीन राज्य हैं। दो राज्य अभी ढुलमुल नीति पर हैं तो, 20 हमारे पास हैं और पांच बाहर हैं। तो आप सोच सकते हैं कि जीत किसकी होगी।ष

संजय सिंहरू ष्हम मोदी जी के क्षेत्र के वोटर हैंष

अपने बारे में बीबीसी से संजय सिंह सबसे पहले यह बताते हैं कि वो बनारस के, प्रधानमंत्री मोदी के लोकसभा क्षेत्र के रहने वाले है। वो कहते हैं, ष्हम मोदी जी के क्षेत्र के ही वोटर हैं। लेकिन भाजपा पार्टी से नहीं जुड़े हैं।ष

वैसे संजय सिंह मूलतः बनारस के पास राजनाथ सिंह के क्षेत्र चंदौली से हैं और अपने आप को वहां का एक बड़ा काश्तकार बताते हैं और उनका खेती किसानी से जुड़ा व्यवसाय भी है।

संजय सिंह बताते हैं कि वो कुश्ती संघ से 2010 से जुड़े हुए हैं और उत्तर प्रदेश के कुश्ती संघ और राष्ट्रीय कुश्ती संघ दोनों में वो पदाधिकारी रहे हैं।

वो कहते हैं , ष्बृजभूषण शरण सिंह और हमारे पारिवारिक ताल्लुकात हैं और हम लोग पिछले तीन दशक से एक दूसरे के करीबी हैं।ष

बृजभूषण शरण सिंह पर लगाए गए महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के आरोपों के बारे में वो कहते हैं, ष्यह आरोप निराधार हैं और कुश्ती संघ से उन्हें हटाने की साजिश थी।ष

आरोपों और दिल्ली पुलिस की जांच के बावजूद बृजभूषण की तारीफ करते हुए संजय सिंह ने कहा, ष्कुश्ती के लिए उन्होंने बहुत कुछ किया है। कुश्ती कहाँ थी और उसे कहाँ तक वो ले गए। जो बिना ट्रायल से जाना चाहते थे उन्हें यह अच्छा नहीं लगता था। जो नियम कघनून को तोड़ना चाहते थे उन्होंने ही यह सब साजिश रची। अब कोर्ट अपना फैसला लेगा।ष

पूर्व पहलवान अनिता श्योराण की उम्मीदवारी के बारे में संजय सिंह कहते हैं, ष्वो सांसद जी (बृजभूषण शरण सिंह) के खष्लिाफ मामले में गवाह भी हैं। वो एक खिलाड़ी हैं, बाकघि हम दोनों लोगों का क न्टेस्ट होना है। जो वोट करेंगे वो तय करेंगे कि कौन जीतेगा कौन हारेगा।ष

अनिता श्योराण की उम्मीदवारी पर सवाल उठाते हुए संजय सिंह कहते हैं, ष हमारे हिसाब से अगर वो सांसद जी (बृजभूषण शरण सिंह) के खष्लिाफ मामले में गवाह हैं तो उन्हें लड़ना नहीं चाहिए था।ष

बनारस कुश्ती संघ से राष्ट्रीय महासंघ तक का सफर

51 साल के संजय सिंह के कष्रीबी माने जाने वाले वाराणसी कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष राजीव सिंह रानू कुश्ती से जुड़े उनके करियर के बारे में बताते हैं।

वो कहते हैं, श्संजय सिंह गाँव वाली पहलवानी करते थे। इनके पिताजी और बाबा बड़े किसान थे। तो गाँव में वो बड़ा अखाड़ा बनवा कर पहलवानों को लड़वाते थे। आप तो जानते हैं कि गाँव में दो ही खेल होते हैं, एक कुश्ती और एक कबड्डी।ष

संजय सिंह को सरल स्वाभाव का बताते हुए राजीव सिंह कहते हैं कि उन्होंने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से पढ़ाई की है। बनारस भी अखाड़ों का शहर है।

राजीव सिंह कहते है, ष्कोई ऐसा मोहल्ला नहीं है जहाँ अखाड़ा नहीं है। हनुमान का मंदिर होगा तो अखाड़ा जरूर होगा।ष

राजीव सिंह कहते हैं कि संजय सिंह 2008 में वाराणसी कुश्ती संघ के अध्यक्ष बने। जब 2009 में उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ बना तो बृज भूषण शरण सिंह प्रदेश अध्यक्ष बने और संजय सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष बने और पिछले चार सालों से वो भारतीय कुश्ती संघ के संयुक्त सचिव थे। बनारस से अलग अलग श्रेणी में खेलने वाले कुल हजार पहलवान होंगे। राजीव सिंह कहते हैं कि संजय सिंह की पहलवानों और खिलाडियों की मदद करने वाली छवि रही है।

नीना थापा इंटर कॉलेज इंग्लिश मीडियम में स्पोर्ट्स कार्निवल का हुआ धमाकेदार आगाज

नीना थापा इंटर क लेज (इंग्लिश मीडियम) में स्पोर्ट्स कार्निवल 2023 का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा श्रीवास्तव (प्रबंधक नीना थापा इंटर क लेज), विशिष्ट अतिथि ड विजय प्रताप श्रीवास्तव (प्रधानाचार्य नीना थापा इंटर क लेज), रामायणजी श्रीवास्तव (प्रबंध समिति सदस्य नीना थापा इंटर क लेज), श्रीमती शिवांगी कौशल (प्रबंध समिति सदस्य नीना इंटर क लेज), के के श्रीवस्तवा (प्रबंधन कौशल आईटीआई गोरखपुर), आशुतोष श्रीवास्तव (कोअ र्डिनेटर इंग्लिश मीडियम) ,रामपाल ओझा, इत्यादि गणमान्य मौजूद रहे। आज विभिन्न एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं हुई जिनमें 100 मीटर सीनियर बालक वर्ग में शिवम यादव, सीनियर बालिका वर्ग में अनुष्का पासवान प्रथम स्थान हासिल किए। 100 मीटर जूनियर बालक वर्ग में पीयूष यादव प्रथम स्थान और बालिका वर्ग में शुभी भट्ट प्रथम स्थान हासिल किया। 200 मीटर में सीनियर बालक वर्ग में वैभव यादव प्रथम स्थान हासिल किए और 200 मीटर जूनियर बालक वर्ग में पीयूष यादव प्रथम स्थान हासिल किया। अन्य प्रतियोगिताओं में 400 मीटर रिले रेस, स्लो साइकलिंग रेस ,तथा प्राइमरी वर्ग में रस्साकस्सी, फ्र ग जंप, इत्यादि प्रतियोगिताएं संपन्न हुई।

इंडिया अलायंस की बैठक से जुड़ी विपक्ष की उम्मीदें कितनी पूरी हुईं?

28 विपक्षी दलों की इंडिया अलायंस की चौथी बैठक ऐसे दिन हुई जिस दिन मौजूदा शीतकालीन सत्र के दौरान 49 और सांसदों को निलंबित कर दिया गया। इससे अब तक निलंबित सांसदों की कुल संख्या 141 तक पहुंच गई है।

देश के प्रमुख विपक्षी नेताओं के बीच करीब तीन घंटे चली बैठक के बाद कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, ष्हम लड़ेंगे, मैदान में जाएंगे।

एक ट्वीट में उन्होंने कहा, ष्ये लोकतंत्र की धज्जियाँ उड़ाने जैसा है, सदन की मर्यादा पर गहरी ठेस है।ष

अलायंस की बैठक में अखिलेश यादव, डी राजा, शरद पवार, अरविंद केजरीवाल, राहुल गांधी, सोनिया गांधी, लालू यादव जैसे विपक्ष के नेता शामिल थे।

करीब तीन महीनों के लंबे फासले के बाद ये बैठक ऐसे वक्त हो रही है जब संसदीय चुनाव बेहद नजदीक है और प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस तीन बड़े राज्य भाजपा से सीधे मुकाबले में हार चुकी है।

विपक्ष के सामने चुनौती है कि कैसे भाजपा को लगातार तीसरा संसदीय चुनाव जीतने से रोका जाए।

राजनीतिक विश्लेषक और स्वराज इंडिया से जुड़े योगेंद्र यादव के मुताबिक बैठक से जो सकारात्मक बात सामने आई वो ये ष्कि तीन महीने के अंतराल के बाद इंडिया अलायंस जिंदा है। और बीच में जो शंका व्यक्त की जा रही थी कि अलायंस बचा भी है कि नहीं बचा है, बचेगा भी कि नहीं बचेगा, ये बैठक उन शंकाओं को निर्मूल साबित करती है।ष

दिल्ली के अशोका होटल में हुई बैठक में 22 दिसंबर को सांसदों के निलंबन पर देशभर में प्रदर्शन की बात हुई, सीटों पर तालमेल पर बातचीत हुई, और बैठक में मौजूद नेताओं के मुताबिक वहां बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने इंडिया अलायंस के चेहरे के तौर मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम पेश किया, जिसे कांग्रेस प्रमुख ने खारिज कर दिया।

वीसीके नेता थिरुमवलवन ने समाचार एजेंसी पीटीआई से बातचीत में कहा, ष्ममता बनर्जी ने प्रस्ताव रखा है कि हमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना प्रधानमंत्री का उम्मीदवार घोषित करना चाहिए।ष

क्या बोले खड़गे?

इस पर पूछे पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, ष्पहले सभी लोगों को जीत कर आना है।ष

याद रहे कि बैठक से एक दिन पहले ही पत्रकारों से बातचीत में ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री पद के लिए एक चेहरे को आगे बढ़ाने को नकार दिया था।

बैठक के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे ने कुछ देर पत्रकारों के एक बड़े समूह के सामने अपनी बात रखी और सिर्फ एक या दो सवालों के जवाब दिए।

बैठक की उम्मीदों पर योगेंद्र यादव कहते हैं, ष्जो न्यूनतम था वो हुआ, लेकिन न्यूनतम से ज्यादा की जो उम्मीद थी, वैसा नहीं हुआ।ष

वो कहते हैं, ष्इस मीटिंग से जो उम्मीद थी कि एक नया एजेंडा देश के सामने रखा जाएगा या फिर प्लान अ फ एक्शन अनाउंस होगा (वो नहीं हुआ)। 22 तारीख को प्रदर्शन की घोषणा हुई, लेकिन इतनी संख्या में सांसदों को निष्काषित करना बिल्कुल अभूतपूर्व है। और मेरी उम्मीद थी कि इस पर विपक्ष की प्रतिक्रिया ज्यादा तीखी होगी और कुछ बड़ी चीज की घोषणा होगी। वो भी नहीं हुई।ष

बैठक से पहले बीबीसी से बातचीत में योगेंद्र यादव ने कहा था, ष्विपक्ष की जो 2024 लड़ने की उम्मीद है, वो इस मीटिंग की सफलता पर निर्भर करती है। अगर ये मीटिंग कामयाब होती है तो इतने भर से 2024 का चुनाव जीता नहीं जाएगा, लेकिन उस उम्मीद को जिंदा रखने के लिए इस मीटिंग का कामयाब होना जरूरी है।

CM Yogi reviews MakarSankranti readiness] orders inspection of night shelters

CM Yogi Adityanath reviewed preparations for MakarSankranti-Ayodhya Ram temple inauguration- He directed officials to ensure homeless people go to night shelters - intensify patrolling- He also emphasized fast - transparent complaints redressal at JantaDarbar- Chief minister Yogi Adityanath on Saturday reviewed the preparations for the upcoming MakarSankranti celebrations] which will fall around the time of the inauguration of Ayodhya Ram temple] in Gorakhpur-

On the final day of his recent two-day to the city] the CM directed officials to ensure that every homeless person was sent to night shelters and that no one should be found sleeping in the open at nights-

The CM directed police officials to intensify patrolling in the city and instructed district magistrate Krishna Karunesh to constitute a team for inspection of night shelters- Adityanath said temporary night shelters should be set up in view of the eÛpected devotee rush-

The CM directed divisional commissioner Anil Dhingra and municipal commissioner Gaurav Sogarwal to rehabilitate vendors who were displaced during anti-encroachment drive-

[Ensure fast] transparent complaints' redressal'

Chief minister Yogi Adityanath directed officials to ensure time-bound] transparent and satisfactory redressal of complaints registered at JantaDarbar-

The CM held a JantaDarbar at DigvijayaNath auditorium in Goraknath temple on Saturday that was attended by 200 people- He directed officials to take strict actions against those who encroach on the land of the poor and weak] and to eÛpedite the process for estimation of funds needed for the treatment of the poor- Abdur Rahman

Phone recovered from jailed Mohali RPG attack accused

The 24-year-old was arrested by the National Investigation Agency from Gorakhpur] Uttar Pradesh] in January this year

Staff of the Model Jail] Sector 51] recovered a mobile phone from Deepak Ranga] the main shooter in the RPG attack on the Punjab Police intelligence headquarters in Mohali in May 2022-

The 24-year-old was arrested by the National Investigation Agency (NIA) from Gorakhpur] Uttar Pradesh] in January this year-

Chandigarh Police had taken his custody in April this year for his alleged involvement in Sector 15 double murder from 2019-

A case under Section 52-A (1) of the Prisons (Punjab Amendment) Act was registered at the Sector 49 police station on the complaint of Parveen Kumar] deputy jail superintendent] Model Jail-

This major Russian business owned by Vladimir Putin's critic is now Kremlin's

The Rolf Group was the biggest Russian dealership in the years before Russia invaded Ukraine-

Russia will seize control of one of the country's biggest car dealerships- Rolf Group- which is owned by the family of a Kremlin critic who is now living in eÛile] it was reported after Vladimir Putin signed a decree to transfer stakes in affiliates of the group to the state property agency for Þtemporary management"-

The Rolf Group was the biggest Russian dealership in the years before Russia invaded Ukraine- It was also considering an initial public offering] Bloomberg reported- The group is owned by Sergey Petrov through a Cyprus-registered entity] who is a dual Russian-Austrian citizen and left Russia years ago-

Authorities in Russia opened a criminal investigation into him in 2019 accusing him of illegally transferring money abroad while Sergey Petrov said that the charges against him are Þabsurdß- The case is political in nature] he repeatedly said-

In 2011-2012] Sergey Petrov openly backed the biggest anti-government protests of Vladimir Putin's two-decade rule while serving as a member of parliament- Sergey Petrov also didn't vote for the anneÛation of Crimea in 2014 which was approved nearly unanimously-

Vladimir Putin's decision to temporarily place the car dealership under state control was driven purely by commercial logic and the international economic situation] the Kremlin said-

Russia has seized control of several businesses owned by international holdings] including France's Danone SA and Denmark's Carlsberg A/S this year-

Shark Tank's Anupam Mittal takes a dig at Starbucks] calls it 'high sugar dessert store'

Anupam Mittal talked about the sugar levels in Starbucks' coffee and how it can be ^lethal' with caffeine-

Anupam Mittal] Shark Tank judge and founder and CEO of People Group] took to X to share his thoughts on the global coffee chain Starbucks- He not only talked about the high sugar content served in their beverages but also pointed out that this miÛed with caffeine] can be 'lethal-'

Mittal in his tweet wrote] "Aaj realize hua that Starbucks is not a coffee chain- It's a very high-sugar dessert store with laced caffeine] a lethal combination- (Today I realised that Starbucks is not a coffee chain- It's a very high sugar dessert store with laced caffeine] a lethal combination-)" This post was shared on December 21- Since being posted] it has gained close to 38]000 views and over 400 likes- Many people took to the comments section of the post to share their thoughts on his tweet- Many people agreed with Mittal's tweet-

An individual wrote] "It's an aesthetic work and date venue which also seeks caffeine-flavoured sugar drinks-" A second commented] "Had it been just coffee] it would have never been such a highly profitable business- People love the sugar] not the coffee- For instance] try removing sugar from all foods and try eating them- Impossible for most-" "Starbucks is also just a status symbol in India] unlike abroad where their prices are on par with other coffee shops- Also] I just find their coffee quite burnt in taste]" posted a third- A fourth added] "Interesting observation! Have you found any alternatives that offer a better balance between caffeine and sweetness\"A fifth said] "Tried once at Starbucks and it was a pathetic eÛperience- Roadside tea shop far better than Starbucks-"

Dunki: Shah Rukh Khan and TaapseePannu's story is RajkumarHirani's Veer-Zaara] but where's the love\

Like Yash Chopra's 2004 seminal cross-border romance] Shah Rukh Khan and TaapseePannu in Dunki are lovers divided by borders] but never captivated by them-

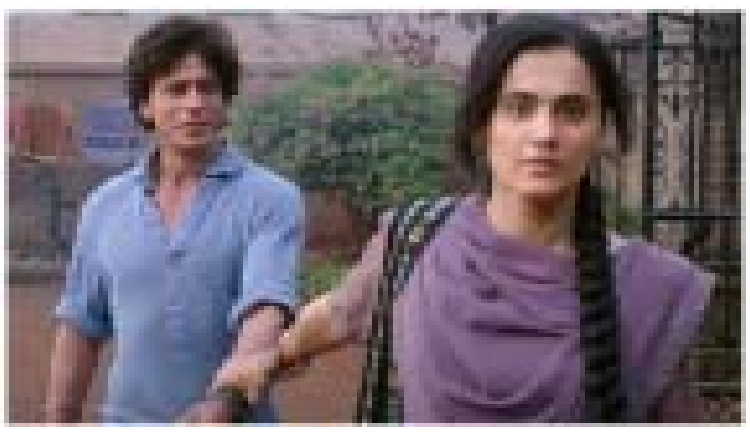

One of our earliest memories of Shah Rukh Khan as an old man with grey hair is from Yash Chopra's seminal 2005 cross-border romance] Veer-Zaara- He played an Indian Air Force pilot in his 50s] who's grown old held captive in a Pakistani jail for 22 years- Eighteen years after that movie] when Shah Rukh is actually elder than his Veer-Zaara character at 58] he's had a year where he's played a fit] desirable senior citizen in two films – Atlee's Jawan and RajkumarHirani'sDunki-

But that's not where the similarities end- The love stories of Veer-Zaara and Dunki have similar graphs- Two youngsters fall in love in India when the man rescues the woman- He swears to shield her at all costs and makes her mission of a physically and mentally daunting journey home his own- But when he migrates to a new country] the laws of the land take him to a crossroads where he has to choose between the love for her and the love for his country-

That's where the similarities begin to fall apart- His choice is different] and so is her reaction- They carry on their respective paths in their choice of the country- Their fondness for each other lasts over two decades years] even though they've lost touch and have assumed each of them is settled with their spouse in their respective land- They eventually cross paths] return together to their homeland] only to realise they've remained single all these years] waiting for each other-

They say it's the choices that make or break you- That's also the case with movies- When Veer is blackmailed by Zaara'sfianceRaza (ManojBajpayee) to either jeopardise her marriage or falsely confess he's an Indian spy in Pakistan] he chooses to protect his love- He ends up in prison for 22 years] before a young lawyer Saamiya Siddiqui (Rani Mukerji) comes to his rescue- He continues to protect Zaara and asks his lawyer to not involve her in the case-

However] unlike Veer] Hardy (Shah Rukh) in Dunki plays the soldier card and chooses his country instead- Stranded with his love Mannu (TaapseePannu) as illegal immigrants in the UK] he's given the choice to opt for asylum in the country by falsely confessing that he's under threat in India- But the patriot in Hardy takes over the lover in him and as a result] he's deported back to India] separated from Mannu] who stays back in the UK-

Similarly] upon being tricked into believing that Veer dies in a bus accident on his way back to India] Zaara loses it and breaks her engagement] even though that leads to her father's (BomanIrani) death via cardiac arrest- She then relocates to India and looks after Veer's ancestral village in Punjab- She can no longer marry Veer in her head] but makes sure to fulfil her duties had she been his widow- But again in Dunki] Mannu chooses to seek asylum in full knowledge of the fact that she'll get separated from Hardy- She consciously chooses to not go back to the country she's born in] where she met Hardy] but where she doesn't see a future- She chooses her British dreams over her Indian reality- Years later] we see her dying due to a tumour in a London hospital] but she desperately wishes to return to her homeland – not for Hardy] but because she wants to see her homeland before dying-

In both cases] they are star-crossed lovers- Man-made factors like nationality] immigration laws] and cross-border hostility come in the way of their boundless romance- But the difference lies in the fact that in one case] they chose to go separate ways and in the other] they stood by each other even in the face of death] familial loss] treason] and captivity- As a result] Veer and Zaara make a long-awaited return to India together as a married couple-

But in Dunki] Mannu dies as soon as Hardy proposes to her- Is that RajkumarHirani's way of punishing her because she didn't choose love when given a chance\ One would've believed so] had the same penalty been awarded to Hardy- He didn't choose love either] for the sake of loyalty to his country- But rewarding him for patriotism in a movie that insists on love and humanity across borders is rather self-defeating- Sacrificing your love for your country is passé- Try making another country your own to honour your love] maybe-

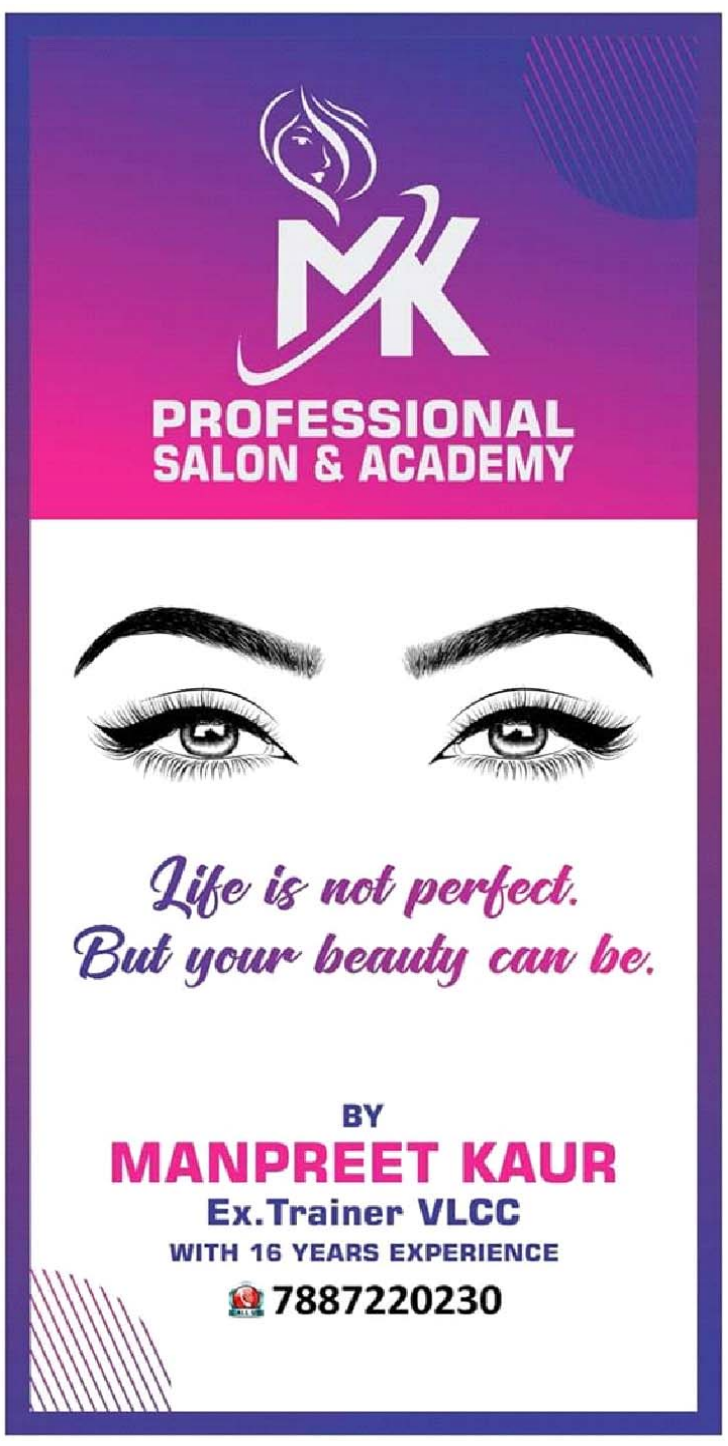

Robert Pattinson and Suki Waterhouse to tie the knot: Report

Get the scoop on Robert Pattinson and Suki Waterhouse's engagement and pregnancy!

"They are engaged- They both want to be married- It's important for them-ß

But that's not the only eÛciting news for the pair- They are also eÛpecting their first child together] which they announced in November- The outlet's source shared that the Batman star is over the moon about becoming a father-

"He can't wait to be a dad- He's so ready]ß the report revealed- ÞHis relationship with Suki is incredible- He feels very lucky-ß It added that the Daisy Jones - the SiÛ star is glowing and happy-

"She has the special glow and seems very happy-ß

The engagement news comes after Waterhouse was seen sporting a diamond ring on her left hand earlier this week] sparking rumors that Pattinson had popped the question-

Waterhouse first showed off her baby bump last month] when she performed at the Corona Capital Festival in MeÛico- In a video posted on X (formerly Twitter)] she joked about her sparkly pink outfit] saying] ÞI'm eÛtra sparkly today because I thought it might distract you from something else that's going on-ß She then opened her feathery coat to reveal her growing belly] to the delight of the crowd- ÞI'm not sure if it's working]ß she quipped- A week after that] PEOPLE reported that the couple was ecstatic about their baby on the way: ÞA baby coming is an absolute joy for them-ß

The insider said that the couple was ready to embrace parenthood- "They are ready for a child] and looking forward to becoming parents- Even though they are both professionals who work a great deal] this is something they want- They know their lives will change] and they are eÛcited-ß

Pattinson] 37] and Waterhouse] 31] have been dating since July 2018] when they were spotted kissing in London- They made their red-carpet debut as a couple in December 2022] when they attended the Dior Men Fall 2023 show in Giza] Egypt- The couple has kept their relationship low-key and private] rarely speaking about it in public- In 2019] Pattinson told The Sunday Times why he preferred to keep his love life out of the spotlight- This will be the first marriage for both Pattinson and Waterhouse- Pattinson previously dated his Twilight costar Kristen Stewart and was engaged to FKA Twigs for two years- Waterhouse dated Bradley Cooper for two years and Diego Luna for one year-

मनोरंजन

आकांशा रंजन कपूर ने दस्तूर में नीना गुप्ता की बेटी बनने का बताया अनुभव

हाल ही में जसलीन रॉयल के नवीनतम संगीत वीडियो दस्तूर में दिखाई देने वाली अभिनेत्री आकांशा रंजन ने कहा कि नीना गुप्ता की उपस्थिति में उनकी बेटी का किरदार निभाना अविश्वसनीय रूप से भावनात्मक थां गाने में बाबिल खान, जसलीन रॉयल के साथ जैकी श्रॉफ और नीना गुप्ता शामिल हैं, साथ ही आकांशा ने इस समूह में अपनी आकर्षक उपस्थिति दर्ज कराई हैं आकांशा ने कहा, जैकी सर ने सेट पर हंसी ला दी, उनकी चंचल हरकतें सभी के चेहरे पर मुस्कान ला देती हैं नीना आंटी की मौजूदगी में उनकी बेटी का किरदार निभाना अविश्वसनीय रूप से भावनात्मक थां वह मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखती है और मेरे जीवन में एक ध्यि व्यि० रही हैं संगीत वीडियो में एक जोड़े)जसलीन रॉयल और बाबिल खान द्वारा अभिनीत= की ध्म कहानी को दर्शाया गया है, जो समाज द्वारा विवश हैं इसमें आकांशा रंजन कपूर ने नीना गुप्ता की बेटी का किरदार निभाया हैं गाने और जसलीन रॉयल के साथ अपने सहयोग के बारे में बात करते हुए आकांशा रंजन कपूर ने साझा किया, मैंने इस गाने को नीना मैम, जैकी सर और जसलीन के साथ फिल्मायां यह मड आइलैंड में एक आनंदमय एक दिवसीय शूट था, जिसमें आनंद के अलावा कुछ नहीं थां इसके अंत तक हर कोई सकारात्मक भावनाओं से ओत–धेत होकर गीत गुनगुना रहा था और उस पर झूम रहा थां उन्होंने कहा, नीना आंटी और जैकी सर के बीच के मार्मिक क्षण का साक्षी बनना, जहां उन्होंने धीरे से उनकी आंखों में काजल लगाया, हर किसी की आंखों में आंसू आ गए, यह वास्तव में खूबसूरत पल थां जसलीन ने इसमें शानदार ध्दर्शन

कियां आकांशा रंजन कपूर सीवी कुमार की बहुध्तीक्षित निर्देशित फिल्म श्मायावनश में संदीप किशन के साथ तेलुगु उद्योग में अपनी शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं

ऑस्कर की रेस से बाहर हुई टोविनो थॉमस की फिल्म 2018, डायरेक्टर जूड एंथनी हुए इमोशनल, मांगी माफी

अ स्कर पुरस्कार के लिए अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म कैटगरी में भारत की ओर से भेजी गयी मलयालम फिल्म 2018 एवरीवन इज ए हीरो एकेडमी अव र्ड्स की दौड़ से बाहर हो गयी है। 'एकेडमी अ फ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज' (एएमपीएएस) ने शुक्रवार को कहा कि जूड एंथनी जोसेफ के निर्देशन वाली फिल्म इस श्रेणी के लिए चुनी गयीं 15 फिल्मों में अपनी जगह बनाने में नाकाम रही। वहीं, इस मौके पर डायरेक्टर ने भावुक कर देने वाला पोस्ट लिखा है। अ स्कर के अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म कैटगरी में 88 देशों की फिल्में भेजी गयी थी। चुनी गयी

फिल्मों को वोटिंग करने के बाद अगले चरण के लिए भेजा जाएगा। मलयाली एक्टर टोविनो थ मस की मुख्य भूमिका वाली '2018' को इस साल सितंबर में 96वें अ स्कर पुरस्कार के लिए भारत की ओर से आधिकारिक एंट्री के तौर पर भेजा गया था। यह फिल्म 2018 में केरल में आयी विनाशकारी बाढ़ पर आधारित है। फिल्म के डायरेक्टर जूड एंथनी जोसेफ ने इंस्टाग्राम पर इमोशनल कर देने वाला पोस्ट लिखा। उन्होंने फैंस से माफी मांगी कि वह अ स्कर जीतने में फेल हो गए। वह लिखते हैं, हर किसी का शुक्रिया, जिन्होंने हमें सपोर्ट किया। मगर अफसोस की बात है कि हमारी फिल्म 2018– एवरीवन इज ए हीरो दुनिया भर की 88 अंतरराष्ट्रीय भाषा की फिल्मों में से आखिरी 15 फिल्मों में जगह नहीं बना पाई है। आप सभी को निराश करने के लिए मैं अपने सभी फैंस और समर्थकों से ईमानदारी से माफी मांगता हूं। फिर भी, इस प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर एक सपने जैसी जर्नी रही है।

डंकी और सालार रिलीज होते ही सैम बहादुर को लगा तगड़ा झटका, एनिमल की कमाई तो एकदम आधी हो गई

इस साल का ब क्स अ फिस का सबसे बड़ा क्लैश। डंकी वर्सेस सालार। शाहरुख खान की डंकी जहां 21 दिसंबर को थिएटर्स में रिलीज हुई तो वहीं प्रभास की सालार ने एक दिन बाद 22 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक दिया। इस क्लैश की आंधी में 1 दिसंबर को रिलीज हुईं दो बड़ी फिल्में एनिमल और सैम बहादुर उड़ गई हैं। एक की कमाई आधी हो गई है तो दूसरे का कलेक्शन करोड़ से घटकर लाखों में पहुंच गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर, तृप्ति डिमरी और ब बी देओल की मूवी एनीमल ने सभी भाषाओं में 21वें दिन 2.50 करोड़ रुपये (अनुमानित) का कलेक्शन किया है। इस तरह से फिल्म ने तीसरे गुरुवार तक कुल 531.34 करोड़ रुपये कमाए हैं। जबकि शाहरुख खान की डंकी के रिलीज होने (21 दिसंबर) के बाद और प्रभास की सालार के दस्तक देने (22 दिसंबर) से पहले फिल्म ने 20वें दिन 5.15 करोड़ रुपये कमाए थे। यानी आज की कमाई से दोगुना। साफ है कि डंकी और सालार के रिलीज होने से एनिमल के बिजनेस पर असर पड़ा है।

खान परिवार में शादी, मिस्ट्री गर्ल के साथ 24 दिसंबर को निकाह करने वाले हैं अरबाज खान

बॉलीवुड एक्टर अरबाज खान आए दिन सुर्खियों में बने रहते हैं। भाईजान के भाई इन दिनों बिग ब स 17 को कंटेस्टेंट्स के साथ संडे के एपिसोड में फन करते हुए नजर आते हैं। अब एक्टर को लेकर खबरें आ रही हैं कि वह जल्द ही दूसरी शादी करने वाले हैं। हालांकि जहां पहले सिर्फ शादी के कयास लगाए जा रहे थे वहीं अब दोनों की शादी की डेट भी फाइनल हो गई है।

अरबाज खान जिसके साथ शादी करने वाले हैं वह कोई और नहीं बल्कि मिस्ट्री गर्ल है। एक्टर की शादी शौरा खान नाम की लड़की के साथ होने वाली है। आपको बता दें कि अरबाज की होने वाली दुल्हन फिल्म इंडस्ट्री से ही ताल्लुक रखती हैं। वह पेशे से एक सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट हैं। दोनों की पहली मुलाकात आने वाली फिल्म श्पटना शुक्लाश के सेट पर हुई थी। यहीं से दोनों के रिश्ते की शुरुआत हुई थी। इस फिल्म में रवीना टंडन भी लीड रोल में नजर आने वाली हैं।

कई एक्ट्रेसेज के मेकअप कर चुकी हैं शौरा

शौरा खान रवीना टंडन और उनकी बेटी राशा थडानी की प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट हैं। उनके इंस्टा पर कई सारी एक्ट्रेसेज की साथ तस्वीरें हैं। हालांकि वह पर्सनली सोशल मीडिया पर खुद ज्यादा एक्टिव नहीं है लेकिन उनके काम की पूरी झलक आपको शौरा के इंस्टा अकाउंट के जरिए मिल जाएगी।

भारतीय क्रिकेट टीम के दो स्टार जिनकी चर्चा नहीं होती

जिस टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ हों और कप्तान रोहित शर्मा और टीम में विराट कोहली जैसा सुपर स्टार खिलाड़ी तो शायद ही किसी की नजरें पारस महाम्ब्रे और

टी दिलीप जैसे सहायक कोचों पर जाएगी।

ये दोनों लोग टीम इंडिया के लिए गेंदबाजी और फील्डिंग कोच की भूमिका निभा रहे हैं।

बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ भले ही द्रविड़ की तरह हाई प्रोफाइल नहीं है लेकिन अपने दूसरे साथियों की तरह एकदम से गुमनाम भी नहीं हैं।

इत्तेफाकद्य से राठौड़ ने रवि शास्त्री के दौर से ही टीम इंडिया की कोचिंग के सफर की शुरुआत की थी।

फिलहाल हम बात करेंगे महाम्ब्रे और दिलीप की जो कई मायनों में बेहद समान हैं तो कई मामलों में बिल्कुल अलग।

लेकिन एक बात है जो इन दोनों को जोड़ती है और वो बात ये है कि भारतीय क्रिकेट में दोनों बदलते हुए नजरिए की गवाह हैं।

दिलीप हैं खिलाड़ियों के चहेते

टीम के सुपर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हों या फिर मोहम्मद शमी दोनों ही महाम्ब्रे के कायल हैं।

दिलीप जिनके पास ना तो फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेलने का अनुभव है और न ही महाम्ब्रे की ही तरह आईपीएल में एक लंबा कोचिंग अनुभव है।

इसके बावजूद इसके सीनियर से लेकर जूनियर तक फील्डिंग कोच के मुरीद हैं।

2023 वनडे वर्ल्ड कप के दौरान दिलीप पहली बार सुर्खियों में आए जब उनके अनोखे अंदाज ने हर किसी का दिल जीता।दरअसल, टीम इंडिया के ड्रेसिंग रुम में हर मैच के बाद सबसे बेहतरीन फील्डर को सम्मानित किया जाता था।

ये सोशल मीडिया में खूब वायरल भी हुआ और हर किसी ने बीसीसीआई की सोशल मीडिया टीम की क्रिएटिविटी की तारीफ भी की।

लेकिन दिलीप खघस–तौर पर प्रेरणा के स्रोत हैं क्योंकि आप में या हम में से कोई भी फील्डिंग कोच बनने का सपना देख सकता है।

दिलीप ने जूनियर लेवल से लेकर नेशनल क्रिकेट एकेडमी तक के सफर को उसी अंदाज में जिया है जैसा की आज वो टीम इंडिया के साथ जी रहे हैं।

अगर रविंद्र जडेजा जैसे दबंग फील्डर भी दिलीप के फैन हैं। ऐसे में कुछ खघस कमाल तो ये कोच पर्दे के पीछे से लगातार कर ही रहा है।

कप्तान रोहित शर्मा के साथ भी फील्डिंग कोच का समीकरण बेहद संजीदा है।

शायद इसकी वजह ये भी है कि करियर के शुरुआत में डेक्कन चार्जर्स का ये दोनों हिस्सा थे।

महाम्ब्रे का रोल

साउथ अफ्रीका के खघ्लिाफ पहले वन–डे मैच से ठीक दो दिन पहले जोहानिसबर्ग के नैट्स पर महाम्ब्रे युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के साथ करीब एक घंटे तक लगातार उनके एक्शन, गेंदबाजी ऐंगल और विविधता को लेकर बात करते रहे।

शाम तक महाम्ब्रे वन–डे टीम को छोड़ते हुए प्रिटोरिया में टेस्ट टीम के साथ जुड़ गए।

लेकिन, इसके बाद जब अर्शदीप के उस मैच में 5 विकेट की खघ्बर उनके कानों में पहुंची तो जश्न वो भी मना रहे थे।

बाद में जब अर्शदीप प्रेस क न्फ्रेंस में नजर आए तो इस लेखक ने उनसे महाम्ब्रे के योगदान के बारे में पूछा।

इस पर उन्होंने साफ किया कि किस तरह से गेंदबाजी कोच युवा खिलाड़ियों के साथ चुप–चाप अपने अनुभव को साझा करते हुए उन्हें निखारने में जुटे हुए हैं।

शमी–बुमराह और सिराज की तिकड़ी ने वर्ल्ड कप के दौरान ही नहीं बल्कि वन–डे क्रिकेट में गेंदबाजी कोच महाम्ब्रे के दौर में इतना बेहतरीन खेल दिखाया है जिसकी मिसाल भारतीय क्रिकेट में नहीं है।

वहीं दिलीप के लिए फील्डिंग जूनून वाला विषय रहा है।

मोहम्मद अजहरुदीन के शहर हैदराबाद से आने वाले दिलीप ने शुरु से ही देखा है कि किस तरह से उनके शहर के दिग्गजों ने हमेशा फील्डिंग को जबरदस्त अहमियत दी।

हैदराबाद के ही आर श्रीधर टीम इंडिया के फील्डिंग कोच थे जिन्होंने भारत के लिए खेले बिना ही इतनी बड़ी जिम्मेदारी कामयाबी से निभाई।

श्रीधर के पास फर्स्ट क्लास क्रिकेट का जबरदस्त अनुभव था लेकिन दिलीप सही मायनों में भारतीय क्रिकेट में एक नई क्रांति के प्रतीक हैं।

अंतरराष्ट्रीय अनुभव ना होने संबंध ी आलोचनाओं को वो हंसते हुए सह लेते हैं क्योंकि उन्हें मालूम है कि कोहली, रोहित और जडेजा जैसे खिलाड़ियों का भरोसा है उन पर।

द्रविड़ के साथ करियर की शुरुआत

टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ और बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ के साथ पारस महाम्ब्रे ने भी 1996 में इंग्लैंड दौरे से अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की शुरुआत की थी।

महाम्ब्रे ने भारत के लिए बहुत ज्यादा मैच तो नहीं खेले लेकिन मुंबई के लिए बतौर कप्तान भी उन्होंने शानदार छाप छोड़ी।

महाम्ब्रे और दिलीप ने दिखाया कि अगर आप करियर की पहली पारी में कामयाब नहीं हुए तो क्या हुआ। आपको दूसरी पारी को संवारने का मौकघ भी मिल सकता है।

द्रविड़ के साथ साथ उनके सहयोगियों पर भी बीसीसीआई ने जून 2024 तक का भरोसा दिखाया है।

अगर दक्षिण अफ्रीका में टीम इंडिया टेस्ट सीरीज पहली बार जीतने में कामयाब होती है तो शायद महाम्ब्रे और दिलीप का ये शानदार सफर कुछ और सालों तक टीम इंडिया के साथ जारी रहे।

भारत के आगे घर में पस्त दक्षिण अफ्रीका, आठ विकेट से जीता पहला वनडे, क्या बोले राहुल और अर्शदीप

भारतीय टीम ने वर्ल्ड कप फाइनल में मिली हार के बाद अपने पहले ही मैच में दमखम साबित कर दिया और पिछली कड़वी यादों से उबरने की कोशिश की।

दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में खेले गए मैच में मेजबान टीम भारतीय गेंदबाजों और बल्लेबाजों के सामने पूरी तरह पस्त हो गई। भारतीय टीम ने 100 ओवर के मैच को सिर्फ 44 ओवर में खघ्त्म कर दिया।

पहले गेंदबाजों ने 27।3 ओवर में अफ्रीकी टीम को केवल 116 रन पर अ लआउट कर दिया। उसके बल्लेबाजों ने जीत के लिए मिला 117 रन का लक्ष्य महज 16।4 ओवर में हासिल कर लिया। भारत को जीत मिली तो 200 गेंदें फेंकी जानी बाकी थी।

पहला मैच खेल रहे साई सुदर्शन 55 रन बनाकर नाबाद लौटे। श्रेयस अय्यर ने 52 रन बनाए। भारत ने सिर्फ अय्यर और ऋतुराज गायकवाड़ (5 रन) के विकेट गंवाए। तिलक वर्मा एक रन बनाकर नाबाद रहे।

बल्ले से कमाल करने वाले सुदर्शन ने 43 गेंद की पारी में नौ चौके जमाए। श्रेयस अय्यर ने 45 गेंदें खेलीं। उन्होंने छह चौके और एक छक्का जड़ा

ये जीत है खघस

पांच विकेट लेकर मैन अ फ द मैच चुने गए अर्शदीप सिंह ने अपने दमदार प्रदर्शन का श्रेय कप्तान केएल राहुल को दिया।

37 रन देकर पांच विकेट लेने वाले अर्शदीप सिंह ने कहा, "मैं राहुल भाई को शुक्रिया कहना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि तुम्हें मजबूत वापसी करने के बारे में सोचना चाहिए और पांच विकेट लेने का इरादा बनाना चाहिए।"

अर्शदीप सिंह करीब एक साल बाद वनडे मैच खेल रहे थे। इसके पहले उन्होंने न्यूजीलैंड के खघ्लिाफ नवंबर 2022 में आखिरी वनडे मैच खेला था।

अर्शदीप ने जोहानिसबर्ग मैच के पहले तीन वनडे मैच खेले थे और कोई विकेट नहीं ले सके थे।

कप्तान केएल राहुल के लिए ये जीत पिछले जखघ्मों पर मरहम लगाने वाली थी। दक्षिण अफ्रीका को हराने वाली टीम में श्रेयस अय्यर और कुलदीप यादव के अलावा केएल राहुल ऐसे

मुंबई इंडियंस ने लाखो फैंस सोशल मीडिया के एक्स और इंस्टाग्राम हैंडल्स पर गंवा दिए। सिर्फ पहले ही दिन चार लाख लोगों ने मुंबई इंडियंस को अनफ्रलो कर दिया।

जैसे ही मुंबई इंडियंस मैनेजमेंट ने हाल ही में घोषणा की कि अगले सीजन में टीम की कप्तानी रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पंड्या करेंगे मानो इंटरनेट पर भूचाल आ गया और मुंबई इंडियंस के लाखों फ लोवर्स ने टीम का साथ छोड़ दिया।

मुंबई इंडियंस ने लाखो फैंस सोशल मीडिया के एक्स और इंस्टाग्राम हैंडल्स

पर गंवा दिए। सिर्फ पहले ही दिन चार लाख लोगों ने मुंबई इंडियंस को अनफ लो कर दिया।

इंटरनेट पर इस तरह की तस्वीरें भी वायरल हो गईं जिसमें फैंस मुंबई इंडियंस की जर्सी और कैप्स को आग लगाते दिखाई दे रहे थे।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान के मुताबिकद्य, रोहित शर्मा का स्थान मुंबई इंडियंस की टीम में वही है जो महेंद्र सिंह धोनी का चेन्नई सुपर किंग्स के लिए है।

उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स से एक इंटरव्यू में कहा, "रोहित शर्मा का टीम में बहुत ऊंचा स्थान है, मेरी नजर में वही स्थान जो चेन्नई के लिए धोनी के पास है। रोहित शर्मा ने अपने खून–पसीने से मुंबई की टीम को बनाया है और एक कप्तान के रूप में उन्होंने बहुत बड़ा योगदान दिया है।"

वहीं मुंबई इंडियंस के साथी खिलाड़ी और मौजूदा भारतीय टी20 के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सोशल मीडिया पर टूटे हुए दिल का इमोजी शेयर किया जो काफी वायरल हुआ।

वहीं भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने मुंबई के इस फैसले का समर्थन किया और कहा कि रोहित शर्मा थके से लग रहे थे और टीम को नई सोच की जरूरत है।

उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, "इसमें क्या सही है और क्या गलत ये नहीं देखना चाहिए बल्कि ये समझना चाहिए कि ये फैसला टीम के फायदे के लिए लिया गया है। रोहित का बल्ले से योगदान भी गिर गया था।"

रोहित शर्मा का मुंबई के लिए रिक र्ड

दरअसल रोहित शर्मा को इस तरह से कप्तानी से हटाने का अंदेशा किसी को नहीं था। आईपीएल के सबसे सफल कप्तान रोहित शर्मा ने मुंबई इंडियंस को पांच बार इस टूर्नामेंट का विजेता बनवाया। उनकी बल्लेबाजी का खास अंदाज और कप्तानी में महारत होना उन्हें टीम के लिए ऐसा खिलाड़ी बनाती है जिसका कोई विकल्प नहीं है।

उन्होंने 2011 में मुंबई इंडियंस के लिए खेलना शुरू किया और पहले ही साल उन्होंने टीम के लिए 33।81 की औसत से 372 रन बना लिए। कुल मिलाकर उन्होंने मुंबई के लिए 31 की औसत से 5230 रन बनाए जिसमें 40 अर्ध शतक और 1 शतक शामिल रहा।

इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 130 का रहा जिसने अक्सर उनकी टीम को जोरदार शुरुआत दिलाने में मदद की। हालांकि पिछले दो साल में उनका बल्ला थोड़ा खामोश पड़ गया था लेकिन शायद ये फ र्म भी जल्द ही सुधर जाती और उनसे अभी कई और साल टी20 क्रिकेट की हम अपेक्षा रख सकते हैं।

रोहित शर्मा को 2013 में मुंबई इंडियंस की कप्तानी मिली जब रिकी पोंटिंग ने सीजन के बीच में ही कप्तानी छोड़ दी थी।

उनकी कप्तानी में मुंबई ने 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में आईपीएल की ट्र फी जीती। लगभग दस साल बतौर कप्तान रोहित शर्मा ने इस दौरान 158 मैचों में कप्तानी की और 87 जीते जबकि 67 में उन्हें हार मिली।

क्या है वजह?

क्रि के ट एक्सपर्ट्स टीम और रोहित के फ र्म की एक वजह बता रहे हैं। मुंबई इंडियंस ने दो साल पहले हार्दिक पंड्या को गुजरात की टीम के लिए रिलीज किया था। पहले ही सीजन में हार्दिक ने नई टीम को चौंपियन बना दिया जबकि पिछले साल गुजरात दूसरे नंबर पर रही।

वहीं इन सालों में मुंबई कुछ खास नहीं कर पाई और दोनों ही बार फाइनल में नहीं पहुंची। आखघ्री बार टीम ने 2020 में चौंपियनशिप जीती थी। पिछले दो सालों में रोहित शर्मा के बल्ले से भी कम रन निकले।

साल 2022 में उन्होंने 19 की औसत से 14 मैचों में 268 रन बनाए, जबकि 2023 में उन्होंने 20।75 की औसत से 16 मैचों में 332 रन बनाए। पिछले दो सीजन में उन्होंने सिर्फ 2 अर्धशतक लगाए और एक भी शतक नहीं।

वहीं टी20आई में भी रोहित शर्मा नवंबर 2022 के बाद से भारतीय टीम के लिए नहीं खेले हैं और हार्दिक ने ही उनसे टीम की कप्तानी ली थी। हालांकि इस बारे में एक तर्क ये भी दिया जाता है कि भारतीय मैनेजमेंट रोहित, विराट और जडेजा जैसे खिलाड़ियों को वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए टी20 से ब्रेक देना चाहती थी, और ये कोई ऐसा संकेत नहीं था कि टी20 में इनका करियर खघ्त्म हो गया है।

आगे क्या होगा?

अब सबकी निगाहें रोहित शर्मा के अगले कदम पर टिकी हुई हैं। क्या वो हार्दिक की कप्तानी में खेलेंगे या फिर किसी दूसरी टीम से खेलना चाहेंगे जहां शायद उन्हें कप्तानी भी मिल जाए।रोहित को सलामी देते हुए चेन्नई सुपरकिंग्स ने एक पोस्ट किया तो उसे रोहित शर्मा की पत्नी रितिका ने भी लाइक किया।

19 दिसंबर को आईपीएल की नीलामी है और अगले दिन 20 दिसंबर को ट्रांसफर विंडो फिर खुलेगी। सभी टीमों के पास एक मौका होगा कि वो अपनी टीम को और मजबूत कर सके। ऐसे में हैरानी नहीं होनी चाहिए अगर रोहित शर्मा के नाम पर कुछ टीमें विचार करें। 2022 के मेगा अ क्शन में मुंबई ने रोहित शर्मा को 16 करोड़ में रिटेन किया था इसलिए जो भी टीम उन्हें ट्रेड करना चाहेगी उसके पास कम से कम 16 करोड़ का पर्स होना चाहिए।लेकिन क्या रोहित शर्मा ऐसा करना चाहेंगे या फिर अपनी पसंदीदा टीम के साथ ही कुछ साल और गुजारकर उनके लिए मेंटोर के रूप में आ जाएंगे? एक बात तय है, वो जहां भी रहेंगे दर्शकों का प्यार उन्हें बढ़–चढ़ कर मिलता रहेगा।

बिहार में क्या बीजेपी राम और जेडीयू सीता के नाम पर लड़ेंगे चुनाव?

बिहार के सीतामढ़ी जिले में राज्य सरकार की एक योजना इन दिनों चर्चा में है। सरकार ने सीतामढ़ी में मौजूद माँ जानकी जन्म स्थली 'पुनौरा धाम' में विकास का काम शुरू किया है। भारत की हिन्दू पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक भगवान राम की पत्नी सीता का जन्म यहीं हुआ था।

सीतामढ़ी में पिछले हफ्ते बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विकास कार्य का शिलान्यास किया है।

इसके तहत पुनौरा धाम को सुंदर और विकसित किया जाएगा। इसमें पुनौरा धाम में विशाल द्वार, परिक्रमा पथ, सीता वाटिका, लव कुश वाटिका, मंडप और पार्किंग जैसी कई सुविधाएं तैयार की जाएंगी।

इसके अलावा पुनौरा धाम परिसर में सीता के जीवन काल पर आधारित झांकी भी दिखाई जाएगी। परिसर के अंदर दुकान, खान–पान के लिए सुरक्षित जगह, रूकने की व्यवस्था और टयलेट की सुविधा भी विकसित की जाएगी।

इसके साथ ही राज्य सरकार ने हाल ही में बेगूसराय के सिमरिया धाम को विकसित करने की योजना भी शुरू की है। ये दावा किया गया है कि सिमरिया के गंगा घाट को हरिद्वार के हर की पौड़ी घाट से भी बेहतर बनाया जाएगा। इसके लिए सिमरिया धाम में सीढ़ी घाट बनवाया जा रहा है और इसका सौंदर्यीकरण किया जा रहा है।

इसके अलावा गया में फल्गू नदी पर रबर बांध भी बनवाया गया है ताकि यहां पूरे साल पानी उपलब्ध हो और पिंड दान करने को आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा रहे। राज्य सरकार की योजना में पटना सिटी में बड़ी पटन देवी मंदिर का विकास कराना भी शामिल है।

पुनौरा धाम बिहार के प्रमुख तीर्थ स्थलों में गिना जाता है। खबरों के मुताबिक इसके विकास के लिए नीतीश सरकार ने 72 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। क्या ये योजनाएँ नीतीश कुमार के 'सफ्ट हिंदुत्व' की तरफ इशारा करती हैं।

वरिष्ठ पत्रकार कन्हैया भेलारी के मुताबिक, भारत धर्म प्रधान देश है। विपक्ष को अल्पसंख्यकों का वोट मिलेगा ही। आजकल धार्मिक स्थानों पर लोग जितना जा रहे हैं, उतना पहले नहीं जाते थे। यह दिखाता है कि आपको हिन्दुओं का वोट भी चाहिए, तो यह सब करना होगा।

एक तरफ बीजेपी और केंद्र सरकार अयोध्या के विकास के लिए बड़ी योजना पर काम कर रही है। इसके लिए 32 हजार करोड़ रुपये की योजना बनाई गई है। अयोध्या में अगले ही महीने राम मंदिर का शिलान्यास किया जाएगा।

दूसरी तरफ हिन्दू तीर्थ स्थलों को लेकर नीतीश सरकार की ताजा योजना पर अब बीजेपी पलटवार कर रही है। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय कुमार सिन्हा ने इसे जनता को भ्रम में डालने की कोशिश बताया है।

विजय कुमार सिन्हा कहते हैं, "माननीय मुख्यमंत्री जी अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए चुनावी नौटंकी कर रहे हैं। नीतीश कुमार और इनके बड़े भाई 33 साल से शासन में हैं। अब चला–चली की बेला में किसी तरह इज्जत बचाने की कोशिश कर रहे हैं।"

'सीता के साथ भेदभाव'

विजय कुमार सिन्हा का आरोप है कि प्रकाश पर्व के लिए नीतीश सरकार करोड़ों रुपये खर्च करती है, लेकिन हिन्दू और सनातनी व्यवस्था के लिए नहीं, यह उनकी छोटी सोच को दर्शाता है।

बिहार के पटना साहिब को सिखों के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह की जन्मस्थली के तौर पर जाना जाता है। यहां हर साल प्रकाश पर्व मनाया जाता है। बिहार में सिख धर्म को मानने वाले लोग बड़ी संख्या में पटना साहिब के दर्शन के लिए आते हैं।

जनता दल यूनाइटेड के प्रवक्ता नीरज कुमार जवाब देते हैं, "नीतीश कुमार पर एक आरोप लगता है कि वो मुसलमानों के पक्षधर हैं, एक आरोप यह लगता है कि वो सफ्ट हिन्दुत्व वाले हैं। नीतीश हर धर्म का सम्मान करते हैं। बिहार में केवल दस हजार सिखों की आबादी होने के बाद भी इतना बड़ा प्रकाश पर्व मनाते हैं।"

नीरज कुमार के मुताबिक बिहार सरकार मंदिर के लिए 'चारदीवारी योजना' भी चलाती है। राज्य में न्यास बोर्ड अधीन आने वाले मंदिरों और इसके परिसर को अवैध कब्जे से बचाने के लिए राज्य सरकार उसके चारों तरफ पक्की दीवार का घेरा डलवाती है।

बीजेपी के विजय कुमार सिन्हा कहते हैं, "जब राम जन्मभूमि को लेकर इतना बड़ा आंदोलन चला और मोदी जी के आने के बाद भी वो अभियान चला। अब तक किसने नीतीश को रोक रखा था। अयोध्या के नाम से उत्तर प्रदेश जाना जाता है तो बिहार की जनता भी चाहती है कि माँ जानकी के नाम से बिहार को जाना जाए।"

केंद्र सरकार से मांग

हालांकि बिहार में अलग अलग राजनीतिक दल सीतामढ़ी और सीता जन्मस्थली के विकास को नजरअंदाज करने का आरोप लगाते रहे हैं।

बिहार में सीता और सीतामढ़ी के साथ भेदभाव का आरोप बीजेपी के ऊपर भी लगता है।

इस मामले में बिहार विधान परिषद के सभापति और सीतामढ़ी से ताल्लुक रखने वाले जेडीयू एमएलसी देवेश चंद्र ठाकुर लगातार आवाज उठाते रहे हैं।

देवेश चंद्र ठाकुर कहते हैं, "सीतामढ़ी पर किसी ने ध्यान ही नहीं दिया। आज मैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का धन्यवाद करता हूं कि सीतामढ़ी के विकास की एक शुरुआत हुई है। हम केंद्र सरकार से मांग करते हैं कि सीतामढ़ी और अयोध्या के बीच एक 'राम जानकी एक्सप्रेस' ट्रेन ही दे दें।"

राजनीति में धर्म का कार्ड

देवेश चंद्र ठाकुर आरोप लगाते हैं, "भारत सरकार अयोध्या के विकास के लिए 32 हजार करोड़ देती है। उसका दस फीसदी भी सीतामढ़ी को दे देते। सीता के साथ इतिहास में भी अन्याय हुआ है और आज भी हो रहा है। केंद्र सरकार थोड़ा सीतामढ़ी पर भी ध्यान देती।"

धार्मिक तौर पर बिहार बौद्ध और जैन धर्म का केंद्र रहा है। इसके अलावा पौराणिक ग्रंथ रामायण की रचना करने वाले वाल्मीकि का संबंध भी बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले के वाल्मीकिनगर से रहा है। वहीं हर साल पितृ पक्ष के मौके पर पूर्वजों के पिंड दान के लिए देश–विदेश से लोग गया पहुँचते हैं।

ऐसे में अयोध्या में राम मंदिर और सीतामढ़ी में माँ जानकी मंदिर की खघस चर्चा क्या किसी नई राजनीति की तरफ इशारा करती है?

कन्हैया भेलारी कहते हैं, "आपको सबका वोट चाहिए और नीतीश इसी की कोशिश कर रहे हैं। यह बात भी है कि नीतीश कुमार राम का जवाब सीता से देने की तैयारी में हैं।"

एक तरफ बीजेपी खुलकर 'हिन्दुत्व' की राजनीति करती दिखती है, दूसरी तरफ वह अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण को लेकर भी काफी उत्साहित है। इस तरह से बीजेपी बहुसंख्यक वोट बैंक को साधने की कोशिश में दिखती है।

हालांकि बीजेपी विरोधी दलों की भी इस मामले में अपनी रणनीति नजर आती है।

इस रणनीति को इसी साल हुए कर्नाटक विधानसभा चुनाव में बीजेपी के श्बजरंगबली के नाम पर खेले गए कार्डश के कामयाब नहीं होने का श्रेय दिया जाता है।

सीतामढ़ी का महत्व

कर्नाटक विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को बीजेपी को बुरी तरह हराया था। इसके अलावा बीजेपी से मुकघबले में साल 2020 में दिल्ली के पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल कई मंचों पर 'हनुमान चालीसा' का पाठ करते हुए नजर आए थे। इसी सिलसिले में अब जेडीयू सीता और सीतामढ़ी के मुद्दे पर सक्रिय दिखती है।

जेडीयू के प्रवक्ता नीरज कुमार आरोप लगाते हैं, "सीतामढ़ी को केंद्र सरकार ने रामायण सर्किट में भी जगह नहीं दी है, जबकि वह इतना महत्वपूर्ण है। केंद्र अयोध्या में राम मंदिर के लिए 32 हजार करोड़ रुपये देता है, लेकिन सीतामढ़ी को क्या दिया?"

हालांकि सीता की जन्मस्थली को लेकर कुछ विवाद भी रहे हैं। इसी साल आई फिल्म 'आदिपुरुष' में सीता को 'भारत की बेटी' बताया गया था। नेपाल की राजधानी काठमांडू के मेयर ने इस डायलग पर आपत्ति जताई थी और इसे फिल्म से हटाने की मांग की थी।

नेपाल का दावा रहा है कि पौराणिक किरदार सीता का जन्म नेपाल के जनकपुर में हुआ था। इसी वजह से नेपाल में फिल्म के इस डायलग पर विवाद खड़ा हुआ था।

'धर्मायण' पत्रिका के संपादक और इतिहासकार भवनाथ झा ने इस विषय पर काफी अध्ययन किया है। उन्होंने अपने लेख 'मिथिला एक खोज' में भी इसका जिक्र किया है। उनका मानना है कि पहले नेपाल भी इस बात पर सहमत था कि सीता का जन्म आज के सीतामढ़ी में हुआ था और विवाह इत्यादि संस्कार आज के नेपाल के इलाके में।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग, बक्शीपुर, जनपद – गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला –द्वितीय तल, पुष्पांजलि काम्पलेक्स शाही मार्केट, गोलघर,जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।

सम्पादक

शक्ति शंकर

मो० :- (.91) 7233999001